([illegible])

14.1.2025	वकील वादीगण उपस्थित। वकील वादीगण की ओर से प्रार्थना पत्र वास्ते वाद विड्रो करने बाबत पेश की गई। जिस पर बहस सुनी गयी दौराने बहस निवेदन किया कि पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर राजीनामा हो गया है इस कारण वाद आगे चलाना नहीं चाहते हैं अतः वादी का वाद पुनः लाने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुए वाद विड्रो खारिज किया जावे। सहायक कलक्टर (S.D.O.) बालोतरा	डूंगाराम केशाराम 14/1/25

इसमें वकील वादीगण की प्रार्थना पत्र पर
बहस सुनी और पत्रावली पर मनन किया
तथा पत्रावली का गम्भीरता पूर्वक अवलोकन
किया। चूंकि पक्षकारान के मध्य आपसी
सहमति के आधार पर समझौता हो गया
है। जो कि वादीगण वकील द्वारा प्रकट
ने स्वीकार किया है ऐसी सूरत में वादीगण
के वाद हेतुक समाप्त हो चुका है
एवं कारण वाद को आगे चलाने का
औचित्य प्रतीत नहीं होता है लिहाजा प्रस्तुत
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वादीगण
के वाद प्रस्तुत करने के हक सुरक्षित रखते
उक्त इस्तगासा वाद इसी स्तर पर खारिज
किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर
दाखिल दफ्तर हो।

सहायक कलक्टर
(S.D.O.) बालोतरा